प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पशुचिकित्सा महाविद्यालय में फ्रान्स के डा. ल्यूक ने व्याख्यान दिया

पन्तनगर। 19 अगस्त 2023। विश्वविद्यालय के पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय के प्लेसमेंट एवं परामर्श सेल द्वारा दुधारू पशुओं में 150 प्रौटोकॉल की महत्ता पर संगोष्ठी आयोजित की गयी। डा. शिव प्रसाद ने संगोष्ठी के मुख्य प्रवक्ता डा. ल्यूक डूरेल, ग्लोबल तकनीकी प्रबन्धक विरवैक एनीमल हैल्थ लिमिटेड फ्रांस एवं मसटाईटिस बोर्ड ऑफ अमेरिका का परिचय देते हुए संगोष्ठी के विषय की महत्ता से अवगत कराया। अधिष्ठाता महाविद्यालय डा. एस.पी. सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि डेरी व्यवसाय के लिये यह एक महत्वपूर्ण विषय है जिससे शिक्षकों एवं छात्रों को डेरी व्यवसाय में 150 प्रोटोकॉल की प्रबन्धन सम्बन्धित जानकारी बेहद जरूरी है।

डा. ल्यूक ने अपने सम्बोधन में गर्भवती मादा दुधारू पशुओं को प्रसव से 50 दिन पहले एवं 100 दिन बाद प्रबन्धन की अवश्यकता को जरूरी बताते हुए कहा कि दुधारू पशुओं एवं नवजात गोवत्सों की वृद्धि, दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी, समय पर गर्भधारण करना एवं दुग्ध की गुणवत्ता में काफी उपयोगिता है। उन्होंने यह भी कहा कि 150 प्रोटोकॉल का लक्ष्य पूरा करने के लिये संतुलित आहार व्यवस्था पशुशाला में रख–रखाव वैज्ञानिक तरीके से किया जाना आवश्यक है। गर्भित पशुओं का प्रसवकाल पूर्ण होने के पश्चात् विभिन्न बीमारियों के बचाव के साथ मुख्य रूप से थनैला रोग का प्रबन्धन किया जाना चाहिए। इसके साथ–साथ डा. ल्यूक ने महाविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं डेरी फार्म का भ्रमण कर डेरी फार्म पर देशी प्रजाति के पशु साहीवाल एवं बद्री गायों के संरक्षण के लिये किये जा रहे कार्यों की सराहना की। डा. रणवीर यादव वरिष्ठ तकनीकी प्रबन्धक विरवैक एनीमल हैल्थ लिमिटेड ने दुधारू पशुओं में 150 प्रोटोकॉल की लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विभिन्न औषधियों एवं उनकी उपयोगिता के बारे में जानकरी दी और छात्रों को डेरी व्यवसाय के बेहतर प्रबन्धन द्वारा पशुपालकों की आर्थिक उन्नति में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आवाह्न किया। प्लेसमेंट एवं परामर्श के परामर्शदाता डा. राजीव रंजन कुमार ने धन्यवाद प्रस्तुत करते हुए डा. ल्यूक एवं डा. रणवीर यादव को इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिये धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे छात्रों को समय–समय पर विश्व स्तर पर डेरी व्यवसाय के उत्थान हेतु विभिन्न कार्यक्रम को आयोजित में सहयोग करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में डा. एस.सी. त्रिपाठी, डा. मंजुल काण्डपाल, डा. प्रभाकरण, डा. निधि अरोरा, डा. सुनील, डा. सतीश के साथ–साथ लगभग 100 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा कु. जयश्री द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में व्याख्यान देते डा. ल्यूक डूरेल।